Media/LKO/0040

हिन्दुस्तान
लखनऊ •शनिवार •27 दिसंबर 2014

थोक बाजार में चीनी के भाव में आई कमी

प्रमुख संवाददाता | लखनऊ

चीनी मिलों पर संकट

- गन्ना मूल्य भुगतान में मिलों की दुश्वारी बढ़ी
- प्रमुख सचिव को लिखी चिट्ठी

बाजार में चीनी के खुदरा भाव में करीब दो रूपए प्रति किलो की गिरावट से आम उपभोक्ता वर्ग भले ही खुश हो रहा हो मगर चीनी बनाने वालों के मुंह का स्वाद इन दिनों कसैला हो रहा है। नौबत प्रदेश की निजी चीनी मिलों के संगठनों उत्तर प्रदेश शुगर मिल्स एसोसिएशन (यूपी इस्मा) द्वारा प्रदेश सरकार को इस बाबत चिट्ठी लिखने तक की आ गई।

'यूपी इस्मा' के सचिव दीपक गुप्तारा की ओर से प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव गन्ना एवं चीनी उद्योग राहुल भटनागर को इस बाबत चिट्ठी लिखी गई है। इस चिट्ठी में कहा गया है कि इस साल बीती 14 नवम्बर को जब प्रदेश सरकार ने गन्ने का राज्य परामर्शी मूल्य (280 रूपए प्रति कुन्तल) घोषित किया था उस वक्त बाजार में चीनी के दाम तीन हजार रूपए प्रति कुन्तल के आसपास थे। मगर इन दिनों यह भाव गिरकर 2750 रूपए प्रति कुन्तल पर आ गया है। इस गिरे हुए दाम पर प्रदेश की निजी मिलें मौजूदा पेराई सत्र में बाजार में अपनी सस्ती चीनी नहीं बेच पा रही हैं।

इसके पीछे महाराष्ट्र व कर्नाटक की निजी मिलों द्वारा करीब 200 रूपए प्रति कुन्तल सस्ती चीनी मुख्य वजह है। इन दोनों राज्यों की यह सस्ती चीनी उ.प्र. की चीनी को खपने ही नहीं दे रही है। बाजार में चीनी के भाव लगातार गिरते जाने से महाराष्ट्र की ग्रामीण विकास मंत्री पंकजा मुण्डे को भी यह बयान देना पड़ गया कि वहां सस्ती चीनी बेचकर भी किसानों को भुगतान नहीं किया जा पा रहा है। यूपी की निजी मिलों ने किसानों को देय गन्ना मूल्य भुगतान को बनाए रखा है।